Date :- 29-11-2024

Daimik Bhaskar, Page-2, Surat

मेट्रो प्रोजेक्ट: किसी इमारत को क्षति हुई होगी तो उसे ठीक कराएंगे

3.46 किमी लंबी टनल बनने के बाद अब उसके आस-पास की 1400 इमारतों का सेफ्टी ऑडिट होगा

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की लाइन-1 के पैकेज सीएस-3 में 3.46 किमी लंबी टनल बनाने का काम पूरा हो चुका है। यह टनल लगभग 1400 इमारतों के 35 मीटर नीचे जमीन बनाई गई है। टनल निर्माण के दौरान इन इमारतों पर क्या प्रभाव पड़ा, इसे जानने के लिए सुरक्षा निरीक्षण किया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि टनल बनाने वाली टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) के वाइब्रेशन से इन इमारतों को कोई क्षति तो नहीं पहुंची है। टनल निर्माण के दौरान लगातार इन इमारतों की मॉनिटरिंग की गई थी। अब जब टनल का निर्माण पूरा हो चुका है, तो इन इमारतों का सेफ्टी ऑडिट किया जाएगा। इस निरीक्षण में यह देखा जाएगा कि टनल बनाने की प्रक्रिया में टीबीएम द्वारा उत्पन्न वाइब्रेशन के कारण इमारतों की संरचना में कोई कमजोरी या नुकसान तो नहीं हुआ। अगर कोई इमारत क्षतिग्रस्त पाई जाती है, तो उसे ठीक किया जाएगा। इस निरीक्षण का कार्य अगले 15 दिनों के भीतर पूरा करने की योजना है। टीबीएम से वाइब्रेशन उत्पन्न होता है, क्योंकि यह भारी मशीन होती है।

टनल निर्माण के दौरान सावधानी बरती गई थी

टनल बनाने के दौरान टीबीएम से उत्पन्न होने वाला वाइब्रेशन इमारतों की संरचनाओं को प्रभावित कर सकता है। खासकर उन इमारतों को जो टनल के बिल्कुल ऊपर या उसके आस-पास स्थित होती हैं। हालांकि इस प्रकार के निर्माण के दौरान सावधानी बरती जाती है और वाइब्रेशन को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न तकनीकों का उपयोग किया जाता है, ताकि इमारतों को कम से कम नुकसान पहुंचे।